यशायाह 62 वैश्विक 21 दिनों की प्रार्थना और इज़राइल के लिए उपवास (7-28 मई, 2023)

10 लाख से अधिक विश्वासियों के साथ सहभागी हों, जो ***21 दिनों के लिए प्रतिदिन कम से कम 1 घंटे*** (7-28 मई) इज़राइल के लिए प्रार्थना में सहभागी होंगे, ताकि यरूशलेम और इज़राइल के लिए परमेश्वर के उद्धार की प्रतिज्ञाओं और योजनाओं में वृद्धि हो सके। कुछ लोग अकेले प्रार्थना करेंगे और दूसरे 2 या अधिक के साथ प्रार्थना करेंगे (मत्ती 18:20) - हकीकत में या व्यक्तिगत रूप से - अपने घर, कार्यालय, छात्रावास, या अपने चर्च आदि में।

लू एंगल, जेसन हबर्ड, माइक बिकल सहित कई हज़ार सेवकाइयों के सहयोग ने ***10 लाख विश्वासियों*** को एक ***वैश्विक पवित्र सभा*** (7-28 मई) में भाग लेने के लिए विभिन्न तरीकों से उपवास करने और इज़राइल के लिए प्रभु के उद्देश्यों के लिए प्रार्थना करने हेतु और यशायाह 62:6 में की गई उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार इस्राएल के लिए 100 मिलियन मध्यस्थों को खड़ा करने के लिए उससे बिनती करें कि वह उन मध्यस्थों को "ठहराए," "नियुक्त करे," या "चिन्हित करे" जो प्रभु को उसकी प्रतिज्ञाओं का स्मरण दिलाएंगे।

हे यरूशलेम, मैं ने तेरी शहरपनाह पर पहरुए बैठाए हैं; वे दिन रात कभी चुप न रहेंगे। हे यहोवा को स्मरण करनेवालो *(मध्यस्थ),* ***चुप न रहो, और जब तक वह यरूशलेम को स्थिर करके उसकी प्रशंसा पृथ्वी पर न फैला दे, तब तक उसे भी चैन न लेने दो।*** *(मसीह के आगमन पर)।* ***(यशायाह 62: 6-7)***

7 मार्च को इस उपवास की घोषणा करने के पहले 3 हफ्तों में, ***10 लाख*** से अधिक लोग विभिन्न तरीकों से भाग लेने के लिए तैयार हैं। 7 मई तक, इस 21-दिवसीय उपवास में विभिन्न तरीकों से ***10 लाख*** से अधिक लोग शामिल होंगे (कुछ पानी का उपवास करेंगे, कुछ सब्जियां, या ज्यूस, या एक दिन में एक भोजन, या सिर्फ "मीडिया उपवास") ताकि उसकी महिमा के प्रगट होने के लिए प्रार्थना करें (निर्गमन 33:18)।

IHOPKC प्रार्थना कक्ष इज़राइल के लिए 3 सप्ताह (7-28 मई) के लिए 24/7 निरंतर आराधना और प्रार्थना करने के लिए समर्पित है। प्भ्व्च्ज्ञब् के 300 से अधिक पूर्णकालिक सेवकाइयों के सेवकों ने व्यक्तिगत रूप से पूरे ***21 दिनों के लिए प्रतिदिन 6-12 घंटे*** हमारे प्रार्थना कक्ष में रहने के लिए समर्पित किया है। ऐसा करने के लिए अपनी कई सामान्य ज़िम्मेदारियों को अलग करने के लिए मैं उनकी प्रतिक्रिया के लिए आभारी हूं! IHOPKC प्रार्थना कक्ष इसमें संलग्न ***कई हबों*** में से केवल एक है। आपका चर्च या सेवकाई हब कैसे हो सकता है, इस बारे में अधिक जानकारी के लिए ***Isaiah62Fast.com Isaiah 62 Fast*** फेसबुक पेज (https://rb.gy/8orcjp).देखें।

Isaiah62Fast.com वेबसाइट चर्चों, सेवकाइयों, बाइबल अध्ययन, युवा समूहों आदि की पहचान करती है, जो "हब" बनने की इच्छा रखते हैं जो 21 दिनों (7-28 मई) के लिए दूसरों को जुटाने हेतु संसाधन, नियमित संचार आदि प्रदान करता है। यदि आप अपने चर्च या सेवकाई की जानकारी को ***Isaiah62Fast.com*** पर सूचीबद्ध करना चाहते हैं, तो अधिक जानकारी के लिए लिंक पर क्लिक करें।

Isaiah62Fast.com किसी भी *युगान्त संम्बंधी दृष्टिकोण* को संबोधित नहीं करता है लेकिन भाग लेने के लिए सभी स्थानों से विश्वासियों को बुलाहट देता है।

सौ मिलियन क्यों?

कई वर्षों से, परमेश्वर ने विभिन्न लोगों को विभिन्न तरीकों से इज़राइल के लिए ***100 मिलियन मध्यस्थों*** की संख्या दी है। एरिक वाट, जेसन हबर्ड (आईपीसी), और टीम ने हाल ही के वर्षों में

IHOPKC की कई बार भेंट की। वे ***5,000+ प्रार्थना नेटवर्क की देखरखे करने वाले अगुवों और उनसे सामुहिक रूप से जुड़े 130 मिलियन विश्वासियों*** का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनसे संवाद स्थापित करते हैं (पहले मुझे उस संख्या पर विश्वास करना कठिन लगा)। अपनी हाल ही की भेंट के दौरान (दिसंबर 2022), उन्होंने बताया कि इन 5,000+ प्रार्थना नेटवर्क के अगुवें और उनसे जुड़े 130 मिलियन विश्वासी मध्यस्थ ***110cities.com*** नामक एक वैश्विक मिशन प्रस्ताव में ***2023 में 4 बार*** पृथ्वी के एक ही क्षेत्र के लिए प्रार्थना करने के लिए एक साथ खड़े होंगे। मैं यह सोचकर अभिभूत हूं कि ***इतिहास में पहली बार*** 100 मिलियन से अधिक विश्वासी एक ही भौगोलिक क्षेत्र के लिए एक ही दिन में एक वर्ष में 4 बार एक साथ प्रार्थना करेंगे (यूहन्ना 17:21-23 देखें)।

इन 100 मिलियन लोगों ने 22 जनवरी, 2023 को ***चीन*** के लिए प्रार्थना की। वे 17 अप्रैल को ***मध्य पूर्व*** के लिए, ***28 मई को इज़राइल*** के लिए और 31 अक्टूबर को ***भारत*** के लिए प्रार्थना करेंगे। ये 100 मिलियन विश्वासी यीशु और महान आदेश के प्रति गहराई से समर्पित हैं, लेकिन उनमें से *कई अभी तक इज़राइल के लिए प्रभु के बाइबल के उद्देश्य से जुड़े नहीं हैं।* लेकिन एक दिन के लिए (28 मई) ये 100 मिलियन विश्वासी इज़राइल के लिए प्रार्थना करेंगे जैसा कि उन्होंने 22 जनवरी को चीन के लिए किया था। लेकिन 28 मई तक 21 दिनों के लिए ***1 मिलियन+*** मध्यस्थ उपवास करेंगे और प्रार्थना करेंगे और *"पवित्र आत्मा को घात लगाने"* के लिए कहेंगे। इस्राएल के लिए उसके उद्देश्यों के लिए इन 100 मिलियन लोगों के दिलों पर चिन्ह लगाकर।

सारांश: 1 मिलियन से अधिक लोगों के साथ सहभागी हों जो हर दिन कम से कम एक घंटे के लिए - अकेले या 2 या अधिक (मत्ती 18:20) हकीकत में या व्यक्तिगत रूप से - इज़राइल के लिए प्रार्थना में शामिल होंगे और आत्मा से बिनती करेंगे कि 28 मई को 100 मिलियन को चिह्नित करे।

हम यरूशलेम और इजराइल के लिए प्रार्थना करना इतना मूल्यवान क्यों समझते हैं?

इज़राइल का राष्ट्रीय पश्चाताप (प्रे. काम 3:19) और यह अंगीकार कि यीशु मसीह है (मत्ती 23:39) पूरी पृथ्वी के लिए यीशु के दूसरे आगमन, महान आदेश, और *"मृतकों में से जीवन"* से गहराई से जुड़ा हुआ है (रोम। 11):15). भजन संहिता 118:26 के अनुसार जब तक यरूशलेम के अगुवे उसे मसीहा के रूप में स्वीकार नहीं करते तब तक यीशु वापस नहीं आएगा।

"हे यरूशलेम, हे यरूशलेम...39 अब से जब तक तुम न कहोगे, 'धन्य है वह, जो प्रभु के नाम से आता है' तब तक तुम मुझे *(यीशु)* ***फिर कभी न देखोगे*** ***(****यीशु के लौट आने का संदर्भ****)*** *(इस प्रकार उसे मसीह के रूप में कबूल करना- भजन 118:26)।"* ***(मत्ती 23:37-39)***

इसलिये, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे *(इज़राइल के)* ***पाप मिटाए जाएं...और वह यीशु को भेजे... अवश्य है कि वह स्वर्ग में उस समय तक रहे*** *(पिता के दाहिने हाथ पर रहे)* ***जब तक कि वह सब बातों का सुधार न कर ले जिसकी चर्चा प्राचीन काल से परमेश्वर ने अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के मुख से की है। (प्रेरितों के काम 3:19-21)***

पौलुस ने सिखाया कि परमेश्वर अंत के समय में यीशु को अपनाने के लिए इजराइल के राष्ट्र को प्रेरित करने के लिए गैर-यहूदी विश्वासियों का उपयोग करेगा।

...अन्यजातियों को उद्धार मिला, कि उन्हें *(इज़राइल)* ***जलन हो।...मैं अपनी सेवा की बड़ाई करता हूँ, ताकि किसी रीति से मैं अपने कुटुम्बियों में*** *(इज़राइल)* ***जलन ...उत्पन्न करवाकर ...क्योंकि जब उनका*** *(इज़राइल का)* ***त्याग दिया जाना जगत के मिलाप का कारण हुआ, तो क्या उनका ग्रहण किया जाना मरे हुओं में से जी उठने*** *(पूरी पृथ्वी के लिए आशीष)* ***के बराबर न होगा? (रोमियों 11:11-15)***

हमारा विश्वास है कि यह ***21-दिवसीय वैश्विक यशायाह 62*** उपवास इस घड़ी में राष्ट्रों में मसीह की देह में इज़राइल के बारे में बाइबल के संवाद को गति देने में उत्प्रेरक होगा। इस उपवास का अंत पिन्तेकुस्त रविवार, 28 मई को होगा। इस दिन, 100 मिलियन विश्वासी जेसन हबर्ड, एरिक वाट और ***"110 सिटीज"*** टीम के माध्यम से परमेश्वर की बुलाहट के उत्तर में एक साथ इज़राइल के लिए प्रार्थना करेंगे ताकि उन्हें 2023 में 4 बार इस तरह से जुटाया जा सके। देखें ***110 Cities.com*** - 17 अप्रैल को, वही 100 मिलियन विश्वासी पूरे मध्य पूर्व के लिए प्रार्थना करेंगे।

यह ***इतिहास में पहली बार होगा*** कि दस लाख से अधिक लोग 21 दिनों तक दिन के 24 घंटे इज़राइल के लिए परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के लिए प्रार्थना करना जारी रखेंगे। इस प्रार्थना पहल की अद्वितीयता ही समयों का चिन्ह है और इज़राइल के लिए उसके उद्देश्यों में एक साथ व्यस्त होने के लिए "आने वाली पीढ़ी के लिए ठहराए हुए परमेश्वर के समय" में वृद्धी है (भजन 102ः13,18)।

"13 तू.. सिय्योन (यरूशलेम) पर दया करेगा; ...उस पर अनुग्रह करने का ठहराया हुआ <u>समय</u> आ पहुंचा है। 18 यह बात <u>आनेवाली पीढ़ी के लिये लिखी जाएगी</u>, और <u>एक जाति जो सिरजी जाएगी</u> वही याह की स्तुति करेगी।" (भजन 102:13,18)

यह 21-दिवसीय उपवास एक *"वैश्विक एस्तेर क्षण"* (Global Esther Moment) (एस्तेर 4:14-16) है जो अंतिम परम वैश्विक एस्तेर क्षण के लिए एक महत्वपूर्ण डाउन पेमेंट होगा जब लाखों विश्वासी प्रार्थना में संलग्न होंगे, परमेश्वर के उद्देश्यों के लिए साहसपूर्वक बोलेंगे इज़राइल के लिए (जैसा पवित्रशास्त्र में देखा गया है), और यीशु के फिर लौट आने तक शेम वंशियों के खिलाफ बढ़ते हुए विरोध में इज़राइल के साथ खड़े रहेंगे (जक. 14ः1-5)। यह उपवास आज के लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इज़राइल कई महत्वपूर्ण संघर्षों का सामना कर रहा है।

14"क्योंकि जो तू इस समय <u>चुपचाप</u> (<u>प्रतिक्रिया न जताने वाले</u>) <u>रहे, तो और किसी न किसी उपाय से यहूदियों का छुटकारा और उद्धार हो जाएगा</u>.. क्या जाने तुझे <u>ऐसे ही कठिन समय के लिये</u> राजपद मिल गया हो?" 15 तब एस्तेर ने मोर्दकै के पास यह कहला भेजा, 16"तू जाकर ...यहूदियों को इकट्ठा कर, और तुम सब मिलकर <u>मेरे निमित्त उपवास करो।"</u> (एस्तेर 4:14-16)

मैं टॉम और केट हेस के लिए बहुत आभारी हूं जिन्होंने 36 वर्षों तक जरूसलेम हाउस ऑफ प्रेयर की अगुवाई की है ***(jhopfan.org)*** और रिक और पेट्रीशिया राइडिंग्स का भी जिन्होंने लगभग 20 वर्षों तक यरूशलेम में सुकात हालेल का नेतृत्व किया (***succathallel.com***) और वैसे ही अन्य प्रार्थना सेवकाईयां जो पिछले 20$ वर्षों में स्थापित की गई हैं।

इस उपवास में हम यीशु की परमश्रेष्ठता को ऊंचा उठाते हैं और महान आज्ञा को पूरा करने के लिए यरूशलेम पर परमेश्वर की आशीष के संबंध पर ध्यान केंद्रित करते हैं। हम "यूहन्ना 17:21-23 की आत्मा" एकता में एक साथ मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं।

जेसन हबर्ड द्वारा लिखित ***मोरावियन मिरेकल*** नामक एक निःशुल्क डिजिटल पुस्तक डाउनलोड करें जो ***काउंट ज़िन्ज़ेंडॉर्फ*** की उल्लेखनीय कहानी बताती है जिन्होंने इतिहास में पहले प्रोटेस्टेंट मिशन आंदोलन के साथ 24/7 प्रार्थना (जो 100 वर्षों तक जारी रही) को संयोजित किया। इस PDF पुस्तक को ***Isaiah62Fast.com*** पर प्राप्त करें या यू ट्यूब पर उनकी कहानी देखें।